7.1.11 Institution celebrates / organizes national and international commemorative days, events and festivals

Hareli Festival celebration At College



Hindi Day



Mahatma Gandhi's150th Birth Anniversary





कॉलेज की छात्राओं ने नाटक में गांधी जी के आंदोलनों को किया जीवंत

शास. कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने 150वीं जयंती पर निकाली पदयात्रा

धमतरी। नईदुदिया प्रतिनिधि

नारायण राव मेघावाले शासकीय कन्या महाविद्यालय धमतरी की छात्राएं व एनएसएस के विद्यार्थियों ने गांधीजी की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 अक्टूबर मंगलवार को कॉलेज परिसर से छात्राएं पदयात्रा निकाली।

पदयात्रा जनपद कार्यालय से होते हुए कलेक्टोरेट, कम्पोजिट बिल्डिंग पहुंची, जिसमें सैकड़ों विद्यार्थी शामिल हुए। यहां पदयात्रा के समापन पश्चात छात्राओं ने विभिन्न वेशभूषा व गांधीजी बनकर परिसर में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। नाटक शुरू होने से पहले छात्राओं ने रघुपति राधव गीत की प्रस्तुति दी। नाटक के दौरान छात्राओं ने गांधीजी के द्वारा चलाए असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन और नमक कानून की प्रस्तुति देंकर कार्यालयों के अधिकारी-



कंपोजिट बिल्डिंग परिसर में प्रस्तुति देती छात्राएं।

कर्मचारियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने कहा कि गांधीजी ने देश को आजाद करने के लिए लोगों को एकजुट किए।

बिना किसी स्वार्थ के जनहित में कार्य किए। गांधीजी द्वारा किए गए कार्य अविस्मरणीय है। यही वजह है कि भारत समेत अन्य देशों में महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता के नाम से जाना जाता है। इस अवसर पर कॉलेज के प्रोफेसर व छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद थे।

Teacher's Day Celebration



Yoga Day



Rastriya Ekta Divas





Samvidhan Diwas



Independence Day



Holi celebration





M.P. Delux - Date: - 01/02/2017.

बसंत पंचमी पर शिक्षण संस्थाओं में पूजी गई विद्या की देवी

पंचमी पर्व पर आज
में विद्या की देवी
मां सरस्वती को
याद करते हुए पूरी
श्रध्दा व मक्ति के
साथ पूजा अर्चना
की गई. ज्ञान अमृत
विद्यालय में
पायत्री परिवार की
उपस्थिति में मां
सरस्वती की पुजा

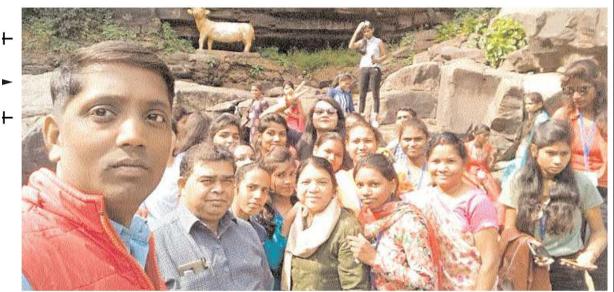


ज्ञान अमृत विद्यालय में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन एवं विद्या आरंभ संस्कार का कार्यंक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के साधक निर्मला सिंह, सावित्री पटेल उपस्थित थी। कार्यंक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती मां गायत्री एवं भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर किया गया। साथ ही मंत्रोच्चार के साथ 18 छात्र—छात्रों को विद्या आरंभ संस्कार किया गया। इस अवसर पर स्तेट पेंसिल एवं कलम की पूजा कर छात्र—छात्रों को विद्या आरंभ संस्कार किया गया। इस अवसर पर स्तेट पेंसिल एवं कलम की पूजा कर सुमधुर भजन की प्रस्तुती की। जिससे वातावरण आगंदमय हो गया। इस अवसर पर निर्मला सिंह ने कहा कि माध मास के शुल्क पक्ष के पंचमी तिथि को बंसत पंचमी का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा कर्चना हुं और उल्लास के साथ की जाती है। मां सरस्वती की पूजा करने से बुद्धि की जढ़ता का न्यूश होता है और इतान की ज्योति प्रज्जलित होती है। विद्यालय के प्राचार्य ने कुक्हा कि बंसत पंचमी को मां सरस्वती के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मां सरस्वती अपने उपासक को पशुता से मनुष्यता, अज्ञान से ज्ञान, और अविवेक से विवेक से बढ़ने का आशीवाद देती है। माता को तब त्याग और अध्ययन से प्राप्त किया जा सकता है। बंसत पंचमी के दिन विद्या आरंभ करना विशेष रूप से शुम माना जाता

है। मां शारदा न केवल विद्या और ज्ञान की देवी है उन्हें कला और संगीत की देवी होने का सम्मान प्राप्त है। छात्र मेहनत के साथ—साथ मां सरस्वती के अराधना करे तो उन्हें ज्ञान के साथ—साथ सम्मान की प्राप्ति होगी। बंसत प्रकृति का अनोखा एवं अनुप उपहार है। बंसत में

प्रकृति की मनोहारी होने जाने के कारण इसे प्रकृति का उत्सव भी कहा जाता है। बसत उत्सव हमारे लिए प्रेरणादायक व -नवस्फूर्ति का दाता बने। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विनोद पांडे, कल्पना पांडे, पुष्पलता जाधव, अभिलाषा चौहान, नीलेंश्वरी पवार, भुनेश्वरी देवांगन, ममता तिवारी, ममता कहार, ज्योति निषाद, कल्पना माने, कु, रश्मि सेन, कु, प्रियंका सोनी, कु, लक्ष्मी, सोनी, कु, यामिनी ठाकुर, कु, सरोज चक्र ारी, कु. गीतांजिल साहू, कु. संध्या राजपूत, अजय साहू<u>, महेन</u>्द्र सोनी, अपूर्व विश्वकर्मा, आकाश वर्मा, शैलेन्द्र साहू छात्र—छात्राएं एवं पालकगण उपस्थित थे इसी तरह नुगर्यण राव मेघावाले शासकीय कन्या महाविद्यालय में भी बसंत पंचमी का पर्व हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. चटेजी ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि बसंत उत्सव पूर्ण उमंग व उल्लास के साथ मनाये व खूब मन लगाकर पढ़ाई करें. अच्छा इंसान बनकर महाविद्यालय समाज <mark>व देश</mark> का नाम रौशन करें. वहीं उपप्राचार्य डॉ. <u>डीआर चौधरी ने</u> बताया कि गीता में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए कहा है कि मैं पंछियों में गरूड़, मास में मार्गशीर्ष तथा ऋतुओं में ऋतुराज बसंत हूं. आज के दिन का विद्यार्थियों के लिए विशेष महत्व का दिन है क्योंकि आज के ही दिन विद्यादायिनी मां सरस्वती का जन्म हुआ था. इसी तरह ड्रॉ. रोहिणी मरकाम ने कहा कि बसंत ऋतु में मंद सुगंधित हवा बहने लगती है. आम के वृक्ष में बीर आता है कीयल कृहने लगते है फूल खिलने लगते है तथा स्वास्थ्य के लिए भी बसंत ऋतु एक अच्छा मौसम है.

कन्या महाविद्यालय के भूगोल विभाग की 52 छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण



धमतरी (प्रखर)। एनआरएम शासकीय कन्या महाविद्यालय धमतरी के भूगोल विभाग के बीए भाग तीन की छात्राओं का भौतिक सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक शैक्षणिक भ्रमण 17 दिसंबर को जतमई, घटरानी तथा सिरपुर आदि में हुआ। प्राचार्य डॉ. डीआर चौधरी, प्रो. रोहिणी मरकाम, प्रो. कुशल चोपड़ा, प्रो. सतीश साहू एवं डीपी गोस्वामी के मार्गदर्शन में 52 छात्राओं ने भ्रमण में हिस्सा लिया।

यह दल प्रात: 7 बजे महाविद्यालय से प्रस्थान कर सबसे पहले जतमई पहुंचा। वहां के प्राकृतिक सौन्दर्य तथा जलप्रताप का अवलोकन किया। जतमई माता के दर्शन करते हुए घटरानी की ओर दल आगे बढ़ा। घटरानी में माता के दर्शन किये। साथ ही वहां के प्राकृतिक सौन्दर्य, भौगोलिक परिदृश्य की प्रक्रिया से अवगत हुये। उसके बाद दल वहां से प्रस्थान कर सिरपुर गया। सिरपुर में सुरंग टीला देखा। 7वीं शताब्दी के एतिहासिक लक्षमण मंदिर का अवलोकन किया। पुरातात्विक संग्रहलय में खुदाई के माध्यम से प्राप्त 7वीं शताब्दी से लेकर 12 वीं शताब्दी तक पुरातात्विक मंदिरों, मूर्तियों तथा वस्तुओं के अवशेष देखे। स्थापत्य कला की अनुपम कृति का अवलोकन किया। अमेरिका से आये हुए स्टेप जैली जो सिरपुर में पुरातात्विक स्थानों, वस्तुओं तथा मूर्तियों आदि का शोध कर रहे थे, उनके साथ चर्चा करने का अवसर छात्राओं को मिला। उनसे चर्चा करके छात्राएं प्रभावित हुई। उसके बाद गंधेश्वर महादेव का दर्शन करने के बाद दल धमतरी के लिए रवाना हुआ।

f

7 7

5

1